नईदुनिया
इंदौर, गुरुवार 01 सितंबर 2016
www.naidunia.com

# सिक्योरिटी कैमरे भी हो सकते हैं असुरक्षित

**पिछले** कुछ वर्षों में सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। घर, ऑफिस, फैक्टरी, गोडाउन या दुकान में सीसीटीवी कैमरे से नजर रखने का चलन बढ़ा है और इसने सुरक्षा के क्षेत्र में क्रांति ला दी है। बीते कुछ समय में इनका आकार छोटा और रेसोल्यूशन, क्षमता बढ़ी है। देशभर में सुरक्षा एजेंसियों के लिए सीसीटीवी कैमरों ने अपराधियों को पकड़ने और उन पर नजर रखने के लिए काम आसान कर दिया है।

**वरुण कपूर**
आईपीएस

सीसीटीवी कैमरे दो तरह के होते हैं, सर्विलेंस और सिक्योरिटी कैमरे। सर्विलेंस कैमरे सिर्फ हालात पर नजर रखते हैं और उसकी रिकॉर्डिंग करते हैं जबकि सिक्योरिटी कैमरे अपनी नजर में कुछ गलत होने पर लोगों को अलर्ट भी करता है। आमतौर पर हम अपने घर में परिवार की सुरक्षा के लिए ऐसी डिवाइस के कैमरे लगाते हैं जिससे घर के बाहर भी यह देख सकता हैं कि घर के भीतर क्या हो रहा है। इसमें पहले वेब केम और फिर आईपी (इंटरनेट प्रोटोकॉल) कैमरों का इस्तेमाल होने लगा। ये कैमरे वाई-फाई के जरिए इमेज फीड भेजते हैं जिसे हम टैब या फोन पर लाइव देख सकते हैं। ऐसे में हमें दूसरे खतरों का सामना करना पड़ सकता है। आईपी कैमरे से भेजी फीड में कोई भी घुसपैठ कर सकता है क्योंकि बाजार में उपलब्ध आईपी कैमरे भरोसेमंद नहीं हैं। उन्हें हैक किया जा सकता है। एक बार इनके हैक होने पर आपके परिवार के निजी पलों को देखा और रिकॉर्ड किया जा सकता है जिनका दुरुपयोग हो सकता है। अगर आप गूगल पर लाइव सिक्योरिटी कैमरा फीड टाइप करेंगे तो 22 लाख कैमरे जो एअरपोर्ट, स्टेशन, मॉल, ट्रैफिक जंक्शन या किसी घर या बेडरुम में लगे हैं आपको फीड दिखाने लगेंगे। ऐसे में इन कैमरों के उपयोग के पहले सुरक्षा को पुख्ता कर लें। इसके लिए आप कुछ बातों का ख्याल रखें।

1) आईपी कैमरे की इमेज जिस वाई-फाई से भेजी जी रही है उसे पासवर्ड से सुरक्षित रखें।
2) जिस कैमरे से आप दूर बैठे फीड ले रहे हैं वो यूजरनेम और पासवर्ड के बिना फीड ना भेजें।
3) कैमरे के सॉफ्टवेयर को अपडेट करते रहें।
4) मजबूत पासवर्ड रखें, जिसका अंदाजा कोई भी आसानी से नहीं लगा सके।
5) सुविधा के लिए या तो डिफॉल्ट सेटअप पर कैमरा रहता है या फिर आसान सा पासवर्ड लिए हुए, ये आपके लिए घातक हो सकता है।
6) जिस एप से दूर बैठे आप कैमरे की फीड ले रहे हैं उसे अपडेट करते रहें उस एप को भी पासवर्ड से लॉक करें।

**(लेखक अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पद पर इंदौर में पदस्थ हैं और विचार उनके व्यक्तिगत हैं)**
ईमेल: varunkapoor170@gmail.com